हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतके क्षेत्र मे **पंडित संजीव अभ्यंकर** एक तेजस्वी गायक के रुपमे जाने जाते है । अपनी अद्वितीय प्रतिभासे शास्त्रीय गायनके क्षेत्रमे आपने आंतरराष्ट्रीय ख्याति अर्जित की है। आपका जन्म १९६९ में हुआ । आपने मात्र आठ वर्ष की आयुमें पहले अपनी माता डॉ. शोभा अभ्यंकर तथा पंडित पिंपलखरेजीसे संगीत की शिक्षा ग्रहण करना शुरु किया । तत्पश्चात मेवाती घराने के मूर्धन्य गायक पद्मविभूषण पंडित जसराजजी से शिक्षा प्राप्त करने का सौभाग्य आपको प्राप्त हुआ ।

आपने १९८१ मे मात्र ११ वर्ष की आयुमें, मुंबई में, अपनी पहली मंचीय प्रस्तुति की । आपने संपूर्ण देश का विस्तृत भ्रमण करते हुए समस्त विशिष्ट एवं गौरवपूर्ण संगीत सभाओं और संमेलनों मे अनेक बार अपनी गायन कलाका प्रदर्शन किया है । अपने प्रस्तुतियोंके सिलसिलेमें आपने अमेरिका, कॅनडा, ऑस्ट्रेलिया, युरोप, सेशल्स एवं मध्य-पूर्व देशोंका भ्रमण किया है । आपने आज तक दो सौ से भी अधिक अलग अगल शहरोंमे अपने गायनकी प्रस्तुति की है ।

आपको भारतीय शास्त्रीय संगीतके क्षेत्रमे अद्वितीय गायन के लिये, मध्य प्रदेश सरकार की तरफसे पं. कुमार गंधर्व राष्ट्रीय सन्मान, फाय फाउंडेशनका राष्ट्रीय पुरस्कार, 'सूररत्न' उपाधी, आकाशवाणीका राष्ट्रपती पदक और पं. जसराज गौरव पुरस्कार आदि से सन्मानित किया गया है। तथा हिंदी फिल्म 'गॉड मदर' मे पार्श्वगायन हेतु आपको सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायकके रुपमे भी राष्ट्रीय पुरस्कारसे सन्मानित किया गया है ।

सभी प्रमुख कंपनीयोंद्वारा निकले शास्त्रीय और भक्ती गायनसे समृद्ध आपके अनेक सिडीज्को पूरे विश्वमें प्रशंसा एवं सम्मानके साथ स्वीकारा गया है ।

शास्त्रीय संगीत के अतिरिक्त हिंदी, मराठी तथा संस्कृत भक्ती गायन और तामिल पार्श्वगायनमे भी आपने अपनी प्रतिभाका आविष्कार किया है। इन अद्वितीय उपलब्धियोंकी वजहसे आप युवा पिढीके सामने एक आदर्श बन गये है ।